Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में बुधवार
सायं 7:02 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सुबह 5:15 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 15 अंक 306 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | बुधवार, 5 जून 2024

डिनर डेट पर रेस्तरां स्टाफ के...पेज-3 पर

News कॉर्नर

ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक का इस्तीफा

नई दिल्ली। नवीन पटनायक ने साल 2000 में पहली बार ओडिशा के मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद लगातार 24 वर्षों तक वे ओडिशा के सीएम के तौर पर कार्यरत रहें। लोकसभा चुनाव के नतीजों के साथ ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ चुके हैं। विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजू जनता दल को हार का सामना करना पड़ा। बीजद के हार के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यपाल रघुवर दास को अपना इस्तीफा सौंपा। इसी के साथ ओडिशा में बीजद के 24 साल का राज भी खत्म हो गया। अब भाजपा राज्य में अपनी सरकार बनाएगी। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में बीजद को केवल 51 सीटों पर ही जीत मिलीं। वहीं भाजपा ने 78 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस ने 14, निर्दलीय ने तीन और सीपीएम को एक सीट पर जीत मिलीं। इसके अलावा ओडिशा की 21 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 20 पर और कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजद का खाता भी नहीं खोल पाई।

52 हजार वोटर ने किया नोटा का प्रयोग

देहरादून। प्रदेश में 52 हजार ऐसे मतदाता भी हैं, जिन्हें 55 में से किसी भी दल का या निर्दलीय कोई प्रत्याशी पसंद नहीं आया है। उन्होंने अपनी इस नापसंदगी को ईवीएम में नोटा का बटन दबाकर जाहिर किया है। प्रदेशभर में इस बार 52,630 मतदाताओं ने नोटा यानी नन ऑफ द एबव का प्रयोग किया। अल्मोड़ा में सर्वाधिक 16,697 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। गढ़वाल में 11,224, नैनीताल में 10,425, टिहरी में 7458 और हरिद्वार में 6826 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया है। खास बात ये है कि केवल ईवीएम ही नहीं बल्कि पोस्टल बैलेट में भी नोटा के मत निकले हैं।

यूपी में एनडीए को नहीं मिला ओबीसी चेहरों का फायदा

उत्तरप्रदेश | एजेंसी

उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव में एनडीए को ओबीसी चेहरों का फायदा नहीं मिला। इसके साथ ही टिकट बंटवारे में मनमानी से यूपी में पार्टी को बड़ा सियासी नुकसान उठाना पड़ा। चुनाव जीतने के सारे जतन धराशयी हो गए। रणनीति भी फेल हो गई।

लोकसभा चुनाव में सुभासपा और रालोद भी भाजपा को खास फायदा नहीं पहुंचा पाए। भाजपा ने प्रदेश के चुनाव में पिछड़े वोट बैंक को साधने के लिए एनडीए का विस्तार करते हुए सुभासपा और रालोद जैसे दलों को शामिल किया था। पर दोनों दल कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए। यही हाल एनडीए के दो पुराने अन्य सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी का भी रहा। सपा के पीडीए फॉर्मूले के दबाव में आकर भाजपा ने यूपी में चुनावी समर फतह करने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़ सपा के साथ जाने वाले सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को दोबारा एनडीए में शामिल किया था। राजभर के ही प्रयासों से वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में मंत्री पद छोड़कर सपा में शामिल होने वाले दारा सिंह चौहान की भी दोबारा भाजपा में वापसी कराई गई थी। इसी तरह ऐन मौके पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे रालोद को भी तोड़कर भाजपा ने एनडीए के पाले में कर लिया। जबकि अपना दल (एस) 2014 से और निषाद पार्टी 2019 से ही एनडीए का हिस्सा हैं। यही नहीं, भाजपा ने एनडीए के सभी सहयोगियों को सीटों में हिस्सेदारी दी थी। सुभासपा को एक तो अपना दल (एस) और रालोद को दो-दो सीटें दी गई थीं। वहीं, संजय निषाद के सांसद बेटे प्रवीण निषाद को दूसरी बार संतकबीरनगर सीट से उतारा था। भाजपा को उम्मीद थी कि इन पिछड़े चेहरों के सहारे गैर यादव ओबीसी वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में मदद मिलेगी। मगर चुनाव परिणाम ने इन नेताओं के दावों को बेनकाब कर दिया। चुनाव परिणाम को देखा जाए तो इनके प्रभाव से अधिक दुष्प्रभाव ही सामने आया। ओमप्रकाश राजभर के प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा को फायदा पहुंचाना तो दूर, हिस्से में मिली घोसी सीट पर अपने बेटे अरिवंद राजभर को भी चुनाव नहीं जीता पाए। यही नहीं उनके दावे से जुड़ी बलिया, चंदौली, गाजीपुर, सलेमपुर, लालगंज और आजमगढ़ सीटों पर भी भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

भाजपा नीत राजग को लोकसभा में बहुमत

एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे नीतीश कुमार

देहरादून | हमारे संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की स्थिति में आ गए हैं। भाजपा नीत राजग को लोकसभा में बहुमत मिल गया है। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने देश में 240 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। पार्टी बहुमत के 272 के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई है। अब सरकार के गठन के लिए उसे राजग के अपने सहयोगियों के समर्थन की जरूरत होगी। इससे पहले पार्टी ने 2019 में 303 और 2014 में 282 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, 7 जून को संसदीय दल की बैठक होगी और अगले दिन यानी 8 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।बिहार के सीएम और जेडी(यू) नेता नीतीश कुमार एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे। पार्टी सांसद संजय कुमार झा भी उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, सरकार तो अब बनेगी ही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बुधवार सुबह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि हमने उन्हें बधाई दी और उनका आशीर्वाद मांगा। सीएम ने जिस तरह से राज्य में एनडीए को मजबूत किया है, वह बेहद सराहनीय है। बिहार में गठबंधन के प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों को जाता है। हम अब एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली जा रहे हैं। चिराग ने कहा, किसी को कोई ऑफर नहीं मिल रहा है। अब वे दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का हर एक घटक दल मजबूती से सरकार बनाएगा। शपथ लेने की तैयारी है।

नीतीश बोले- सरकार तो अब बनेगी ही राष्ट्रपति भवन पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की स्थिति में आ गए हैं। भाजपा नीत राजग को लोकसभा में बहुमत मिल गया है। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने देश में 240 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। पार्टी बहुमत के 272 के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई है। अब सरकार के गठन के लिए उसे राजग के अपने सहयोगियों के समर्थन की जरूरत होगी। इससे पहले पार्टी ने 2019 में 303 और 2014 में 282 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, 7 जून को संसदीय दल की बैठक होगी और अगले दिन यानी 8 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

बिहार के सीएम और जेडी(यू) नेता नीतीश कुमार एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे। पार्टी सांसद संजय कुमार झा भी उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, सरकार तो अब बनेगी ही। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बुधवार सुबह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि हमने उन्हें बधाई दी और उनका आशीर्वाद मांगा। सीएम ने जिस तरह से राज्य में एनडीए को मजबूत किया है, वह बेहद सराहनीय है। बिहार में गठबंधन के प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोनों को जाता है। हम अब एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

चिराग ने कहा, किसी को कोई ऑफर नहीं मिल रहा है। हम एकजुट है। अब वे दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम का हर एक घटक दल मजबूती से सरकार बनाएगा। शपथ लेने की तैयारी है।

नौ ट्रैकर्स ने गंवा दी जान, द्रौपदी का डांडा हिमस्खलन के बाद दूसरा बड़ा हादसा

देहरादून | हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी-टिहरी जनपद की सीमा पर करीब 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्रताल ट्रैक पर गए 22 सदस्यीय दल में से नौ ट्रैकर्स की मौत हो गई। दस ट्रैकर्स को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। वर्ष 2022 में हुए निम के द्रौपदी का डांडा हिमस्खलन हादसे के बाद यह दूसरा बड़ा हादसा है।

चार अक्तूबर 2022 को निम के इतिहास में वह तारीख है जिसने निम प्रबंधन को कभी न भूलने वाला गम दिया। हादसे में निम के 34 प्रशिक्षुओं का दल द्रौपदी का डांडा-2 चोटी आरोहण के दौरान हिमस्खलन की चपेट में आ गया था जिसमें कुल 27 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं दो लोग अब भी लापता चल रहे हैं।

इनमें उत्तराखंड से नौसेना में नाविक विनय पंवार व हिमाचल निवासी लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक वशिष्ट शामिल थे। हालांकि उस दौरान निम के साथ एसडीआरएफ की टीम ने दोनों लापता लोगों की खोजबीन के लिए माइनस 25 डिग्री तापमान में भी विशेष अभियान चलाया। अब एक और हादसे के खबर उत्तरकाशी-टिहरी जनपद की सीमा पर करीब 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्रताल ट्रैक से आई।

कल मंगलवार को चार ट्रैकर की ठंड लगने से मौत हो गई। वहीं आज पांच ट्रैकर्स की और मौत हो गई। दस ट्रैकर्स को सुरक्षित लाया जा चुका है। मौसम खराब होने के कारण ट्रैकर्स रास्ता भटक गए थे। जिले की ट्रैकिंग एजेंसियों के माध्यम से जिला आपदा प्रबंधन को इसकी सूचना मिली।

हल्द्वानी डिपो की बस ट्रेक्टर ट्राली से टकराई, कंडक्टर की मौत

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

नैनीताल से दिल्ली जा रही रोडवेज बस बिलासपुर चीनी मिल के पास ट्रेक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में हल्द्वानी डिपो के परिचालक की मौत हो गई जबकि चालक व यात्रियों को चोटें आई हैं। इधर हल्द्वानी डिपो एआरएम सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली।

हल्द्वानी डिपो की बस बीते मंगलवार को नैनीताल से दिल्ली जा रही थी कि देर रात बिलासपुर चीनी मिल के पास हादसा हो गया। बस में चालक महेश सिंह व परिचालक मनीष मिश्रा तैनात थे। हादसे में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है।

बताया गया कि परिचालक मनीष की तीन महीने पहले ही मृतक आश्रित कोटे से नौकरी लगी थी। हादसे के बाद परिचालक को रामपुर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसा कैसे हुआ इसकी जानकारी चालक से ली जाएगी, फिलहाल चालक की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

हड़कंप

- बिलासपुर चीनी मिल के पास देर रात हुआ हादसा, यात्रियों की जानकारी जुटाने को रामपुर अस्पताल पहुंचे रोडवेज अफसर

एआरएम घटनास्थल पर पहुंचे

एआरएम सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद वह बुधवार को मौके पर गये और हादसे की जानकारी ली।

पता चला है कि बिलासपुर चीनी मिल के पास रात करीब 12 बजे रोडवेज बस व ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर हो गई। हादसे में परिचालक की मौत हो गई जबकि चालक भी घायल हैं। बस की हालत को देखकर प्रतीत होता है कि यात्रियों को भी चोट लगी होगी। एआरएम ने बताया कि टिकट मशीन नहीं मिली है, इस वजह से बस में कितने यात्री थे इस बारे में पता नहीं चल पाया है, चालक की हालत गंभीर है, उससे बात नहीं हो पाई। उन्होंने बताया कि रामपुर अस्पताल में घायल यात्रियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

मेट्रोपोल शत्रु संपत्ति ध्वस्तीकरण के 11 महीनों बाद भी स्थिति जस की तस

नैनीताल
हमारे संवाददाता

करीब 11 महीने पहले नैनीताल की शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल पर 70 साल से अतिक्रमण कर बने सभी 134 घरों को पुलिस व प्रशासन ने मिलकर 23 जुलाई को ध्वस्त कर दिया था लेकिन 11 महिने का लंबा समय बीत जाने के बाद भी इस खाली भूमि में अभी तक कोई कार्य नहीं हो पाया है जो विचारणीय प्रश्न है।

बता दें कि दस बुलडोजर, 100 मजदूरों ने पूरे मेट्रोपोल परिसर को मैदान में तब्दील कर दिया था इसके बाद मलबा हटाने का काम किया गया था जिससे लगभग तीन हेक्टेयर भूमि खाली हो गई थी जिसके बाद यहां पर पार्किंग स्थल बनाने को लेकर जिलाधिकारी वंदना सिंह ने लोनिवि को पार्किंग स्थल का डिजाइन व डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए थे और लोनिवि की ओर से मेट्रोपोल स्थल

का निरीक्षण कर लगभग 24 करोड़ की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई जिसमें 500 चौपहियां और 200 दोपहियां वाहनों के लिए कैशलेस स्मार्ट पार्किंग बनाने की योजना बनाई गई थी साथ ही इसमें कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ऑनलाइन बुकिंगए पार्किंग के बाहर एंट्री गेट तथा गेट पर एलईडी स्क्रीन और चीना बाबा के पास से 200 मीटर की नई सड़क का निर्माण आदि शामिल था लेकिन 11 महीने बीत जाने के बाद भी डेढ़ एकड़ जमीन में कोई निर्माण नहीं किया गया और ना ही कोई सुरक्षा दीवार लगाई गई।

केवल जमीन को मैदान किया गया लेकिन ज़मीन की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण अब खाली ज़मीन के किनारे की दिवारों भी गिरने लगी हैं अगर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो हाईकोर्ट जाने वाली सडक़ को भी खतरा हो सकता है।

नो प्रॉफिट नो लॉस पर चल रही पार्किंग

नैनीताल उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार के मुताबिक वर्तमान में पालिका की ओर से खाली जमीन पर पार्किंग संचालित की जा रही है जो नो प्रॉफिट नो लॉस पर चल रही है। पार्कि ग की कमाई से पालिका को खर्चा दिया जा रहा है बाकि शत्रु सम्पत्ति को जमा किया जा रहा है।

24 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया

लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता जीएस जनौटी ने बताया कि विभाग की ओर से लगभग 24 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव पास होने के बाद खाली जगह में पार्किंग बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा और सुरक्षा दीवारों का निरीक्षण जल्द ही दीवारों को ठीक करवा दिया जाएगा।

विचारणीय

● इस खाली भूमि में अभी तक कोई कार्य नहीं हो पाया

भक्तों को सुंदरकांड पाठ के बाद किया प्रसाद वितरण

नैनीताल
हमारे संवाददाता

श्री राम सेवक सभा द्वारा बड़े मंगल के विशेष मौके पर सुंदरकांड पाठ किया गया। इस दौरान सभा भवन स्थित राममंदिर में सामूहिक रामभक्तों द्वारा भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राम दरबार की आरती करने के बाद भक्तों को खीर का प्रसाद वितरित किया गया। सभा के महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी ने बताया की मंगलवार से रामलीला हेतु कलाकारों का प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया गया है। बताया कि 3 अक्तूबर से रामलीला का मंचन किया जायेगा एवं 12 अक्तूबर को भव्य दशहरा आयोजन किया जाएगा। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष मनोज साह समेत अशोक शाह, विमल चौधरी, राजेन्द्र लाल साह, मिथिलेश पांडे, हरीश सिंह राणा,प्रो. ललित तिवारी, गिरीश भट्ट, हीरा रावत, गोधन बिष्ट, सतीश पांडे, प्रदीप जेठी, हयात सिंह, अजय कुमार, डा. सरस्वती खेतवाल, अमिता साह, जीवंती भट्ट,कंचन जेठी, सुमन साह, मुन्नी भट्ट, सरिता त्रिपाठी, पुष्पा साही, कमला रावत, रेखा साह तथा सुमन डंडरियाल समेत रामसेवक सभा के रामलीला कलाकार उपस्थित रहे।

क्रिकेट: खुर्पाताल इन ने किया फाइनल में ट्रॉफी पर कब्जा

नैनीताल
हमारे संवाददाता

नगर के समीपवर्ती खुर्पाताल में खेली जा रही डे-नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत मंगलवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। इस दौरान लेक ब्रिज चुंगी नैनीताल को पराजित कर खुर्पाताल इन ने ट्रॉफी पर कब्जा किया। मुख्य अतिथि रहे पूर्व प्रधान गणेश सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की।

मंगलवार को खुर्पाताल इन और लेक ब्रिज चुंगी नैनीताल के मध्य फाइनल मुकाबला खेला गया। इस दौरान खुर्पाताल होटल इन ने निर्धारित 20 ओवरों में 181 रनों का लक्ष्य रखा। जबाव में लेक ब्रिज चुंगी 158 रन की बना सकी। सभी को मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान गणेश सिंह ने पुरस्कार वितरित किए। इस मौके पर जीवन नेगी, विनोद कुमार, हेमंत बिष्ट तथा राम कनवाल आदि मौजूद रहे।

NEWS / फटाफट

पड़ोसी पर घर का सामान चोरी कर बेचने का आरोप

नैनीताल । नगर के मल्लीताल क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने अपने ही पड़ोसी पर घर का सामान चोरी करने कर बेचने का आरोप लगाया है। व्यक्ति की ओर से एसएसपी को तहरीर सौंप कार्रवाई करने की मांग है। मल्लीताल राजमहल कंपाउंड निवासी नदीम अहमद ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि वह किसी कार्य से अपने घर से बाहर गया हुआ था। उसकी गैर मौजूदगी में उसके पड़ोसी से उसके भवन के प्रथम व द्वितीय तल पर रखा सामान चोर कर बेच दिया। अब तक पड़ोसी की ओर से लाखों का सामान चुराया गया है। उसने एसएसपी को तहरीर सौंप कार्रवाई की मांग की है। मामले की जांच कोतवाली पुलिस को सौंपी गई है। एसएसआई पीएस बिष्ट ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

सीएम धामी पत्नी के साथ किया पौधरोपण

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम धामी ने पौधरोपण कर प्रदेशवासियों को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने शासकीय आवास परिसर में वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सभी प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षों को लगाएं। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

तीन दिवसीय 155वें वार्षिकोत्सव में टॉर्च लाइट व जिम्नास्टिक समेत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

नैनीताल
हमारे संवाददाता

शिक्षा नगरी नैनीताल शहर का प्रतिष्ठित विद्यालय शेरवुड कॉलेज का तीन दिवसीय 155वें वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार की रात विविध कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। सांझ के बाद टॉर्च लाइट व जिम्नास्टिक समेत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही।

समारोह के मुख्य अतिथि 1982 बैच के पूर्व कॉलेज कैप्टन सेनि. रेयर एडमिरल दीपक बंसल रहे। इस मौके पर सेनि. रेयर एडमिरल दीपक बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि शेरवुड देश का एकमात्र विद्यालय है जो रात्रि पीटी का आयोजन करता आ रहा है। विद्यालय प्रांगण में शाम सात बजे रात्रि कार्यक्रम का शुभारंभ आकर्षक मार्च पास्ट से हुआ जिसमें चारों हाउस के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तत्पश्चात हाथों में टॉर्च व मशाल के साथ मास

पीटी का शानदार आयोजन किया गया। इस बीच पिरामिड बनाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया । समरशॉट की धूम देखने को मिली।

देर रात तक चले कार्यक्रम में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इससे पूर्व दिन में पारंपरिक कॉयर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा अंग्रेजी नाटक सेवन ब्रीड्स फोर सेवन ब्रेदर का शानदार मंचन किया गया। वर्षभर अब्बल प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि रेयर एडमिरल दीपक बंसल ने पुरस्कृत किया । प्रधानाचार्य अमनदीप संधु ने विद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला और अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डीआरडीओ की वरिष्ठ विज्ञानी डा. निधि बंसल, ग्रेगमान मॉर्डन स्कूल दिल्ली के प्रधानाचार्य डा. विजय दत्त समेत हेम चंद्र पांडे. बासू साह, मनमोहन सिंह समेत अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद थे।

मंत्रियों तक को ज्ञापन भेज चुके हैं ज्ञापन नहीं मिल रही बहते सीवर से निजात

नैनीताल
हमारे संवाददाता

नगर में बीते दो सप्ताह से जगह जगह सीवर बहने से परेशान लोग अधिकारियों से लेकर मंत्रियों तक को ज्ञापन भेज चुके हैं। लोगों की ओर से शहर में बहते सीवर से निजात दिलाने की मांग के बाद भी लोगों को इस समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है।

बता दें कि बीते दो सप्ताह में शहर के 10 से ज्यादा स्थानों में लगातार सीवर बहने से लोगों को दिक्कतों का सामना किया है। वहीं सीवर बहकर लगातार झील में समा रहा है। शहर के कई हिस्सों में भारी मात्रा में सीवर बहने से स्थानीय लोगों व पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सीवर का पानी झील में जाने से झील प्रदूषित हो रही है। बीते दो हफ्तों में के कई स्थानों आयारपाटा, राजभवन क्षेत्र, फांसी गधेरा, पॉपुलर कंपाउंड, जिला पंचायत रोड, मालरोड व सात नंबर में सीवर बहने की शिकायत लोगों की ओर से की गई है। लोग कई बार जल संस्थान के अधिकारियों से शिकायत कर समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग कर चुके हैं। जल संस्थान के सहायक अभियंता डीएस बिष्ट ने बताया कि नगर के कई क्षेत्रों में सीवर बहने की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद टीम ने मौके पर जाकर हर जगह सीवर की समस्या का समाधान कर दिया है।

अभिमत

संवेदनशील राज्य

प्रकृति के साथ ही वैज्ञानिक भी चेतावनी दे रहे हैं कि सरकार को ऐसे ढांचे के विकास पर ध्यान देना चाहिए, जो भूकंपरोधी हो। हिमालयी राज्य को कंक्रीट का जंगल बनाकर कुछ हासिल नहीं होगा। वाडिया हिमालयन भू-विज्ञान संस्थान में आयोजित व्याख्यान में बतौर वक्ता जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया एण्ड इंटरनेशनल साइंस काउंसिल के फैलो प्रोफेसर हर्ष कुमार गुप्ता ने कहा कि उत्तराखंड को भूकंपरोधी राज्य बनाने की सख्त जरूरत है। ताइवान, हैती और कई अन्य देश भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हैं, उन देशों से उत्तराखंड तथा अन्य हिमालयी राज्यों को विकास कार्य के बारे में सीखने की जरूरत है।

उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य भूकंप के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील हैं। प्रकृति के साथ ही वैज्ञानिक भी चेतावनी दे रहे हैं कि सरकार को ऐसे ढांचे के विकास पर ध्यान देना चाहिए, जो भूकंपरोधी हो। हिमालयी राज्य को कंक्रीट का जंगल बनाकर कुछ हासिल नहीं होगा। वाडिया हिमालयन भू-विज्ञान संस्थान में आयोजित व्याख्यान में बतौर वक्ता जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया एण्ड इंटरनेशनल साइंस काउंसिल के फैलो प्रोफेसर हर्ष कुमार गुप्ता ने कहा कि उत्तराखंड को भूकंपरोधी राज्य बनाने की सख्त जरूरत है। ताइवान, हैती और कई अन्य देश भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हैं, उन देशों से उत्तराखंड तथा अन्य हिमालयी राज्यों को विकास कार्य के बारे में सीखने की जरूरत है। पिछले साल मानसून के दौरान उत्तराखंड में दैवीय आपदा की घटनाओं में अनेक लोगों की मौत के साथ ही सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ था। भूस्खलन से टूटी सड़कों और यातायात बाधित होने की घटनाओं ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिये। विश्व प्रसिद्ध पर्यटनस्थल सरोवरनगरी नैनीताल की लोअर माल रोड का बड़ा हिस्सा झील में समा गया। अपर माल रोड में दरारें पड़ गईं। वैज्ञानिकों ने नैनी झील के चारों तरफ की पहाड़ियों पर कंक्रीट के पिलर और बीम की बहुमंजिला इमारतों के बोझ से झील को संकट होने की चेतावनी दी है। झील के किनारे की पहाड़ियों पर ब्रिटिश शासन के दौरान एक मंजिल और टिन की छत के हल्के भवन निर्माण किये जाते थे। पहाड़ियों पर सीढ़ीदार नाले बनाये गये थे, जिनके माध्यम से बारिश का पानी झील में आता था। अतिक्रमण करके नालों पर कब्जा कर लिया गया। पहाड़ पर पानी निकासी का प्रबंध नहीं होने से बरसात होने पर मलबे के साथ पानी नीचे तेजी के साथ आता है और झील में मलबा समा रहा है। भूस्खलन के साथ ही भवनों में दरारें पड़ रही हैं। नैनीताल, जोशीमठ सहित कई नगरों के क्षेत्रों में बने भवनों में दरार पड़ने पर खतरे के कारण खाली करा दिया गया। बरसात का मौसम बीतने के बाद शासन व प्रशासन सब भूल जाता है। अतिक्रमण और अवैध निर्माण करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। भवनों के निर्माण के लिए नक्शा स्वीकृत करने के लिए प्राधिकरण मध्यम दर्जे के लोगों को परेशान करता है। आर्थिक रूप से सम्पन्न तथा राजनीति में दबदबा रखने वालों के अवैध कार्य आसानी से हो जाते हैं। उत्तराखंड में अनियोजित विकास चरम पर है। नियम और कानून को ताक पर रखकर विकास के नाम पर सड़क तथा अन्य निर्माण कार्य हो रहे हैं। भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हिमालयी राज्य उत्तराखंड में खतरे की अनदेखी भविष्य में भारी पड़ सकती है।

पर्यावरण दिवसः जगह-जगह स्वच्छता अभियान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

इंसान ने हमेशा अपने विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अनुचित प्रयोग किया है, उसी का परिणाम है कि आज हम अपने पर्यावरण का पतन देख रहे है। इस नुकसान से पृथ्वी को बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागृति लाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ प्रति वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाता है।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आदेशानुसार संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की थीम 'बीट प्लास्टिक पोल्युशन' के विषय अनुरूप, 5 जून, बुधवार को संपूर्ण भारतवर्ष के पर्वतीय पर्यटक स्थलों पर विशाल वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि मिशन वर्ष 2014 से ही संयुक्त राष्ट्र के 'युनाईटेड नेशन एनवाईरनमेंट प्रोग्राम' पर्यावरण कार्यक्रम की थीम पर 'विश्व पर्यावरण दिवस' आयोजित कर रहा है। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निरंकारी मिशन द्वारा संपूर्ण भारतवर्ष के 18 पर्वतीय एवं पर्यटक स्थलों, जिनमें मुख्यत: उत्तराखंड से मसूरी, ऋषिकेश, लैंसडाउन, नैनीताल, चकराता, भवाली; हिमाचल प्रदेश का शिमला, मनाली, धर्मशाला; गुजरात के सापुतारा; महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पंचगनी, खंडाला, लोनावाला, पन्हाला, सोमेश्वर; सिक्किम के गीजिंग शहर और कर्नाटमहाराष्ट्रक की नंदी हिल्स जैसे पर्वतीय स्थल शामिल है।

कार्यक्रम के अंत में संत निरंकारी मिशन नैनीताल जोन के जोनल इंचार्ज सेवानिवृत्त कर्नल जसबिंदर सिंह जी कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए ने नगर पालिका के सारे अधिकारी, नगर पुलिस प्रशासन के सारे अधिकारी , डी0 एस0 ए0 ग्राउंड के अधिकारी व डी0 एस0 ए0 पार्किंग के अधिकारी व निरंकारी सेवा दल के भाई व बहनो, स्हृष्न्न के वोलंटियर, नैनीताल, रामनगर,बाजपुर, काशीपुर, रुद्रपुर, बरेली, पीलीभीत,खटीमा, बहेड़ी, हल्द्वानी के साथ संगतों के मेम्बरों का कर्यक्रम में पहुंचकर और शहर को सवच्छ करके कार्यक्रम को सफल बनाने का तहे दिल से आभार प्रकट किया।

डॉ. ध्रुव संगोष्ठी में प्रतिभाग करने भूटान रवाना

शांतिपुरी। शांतिपुरी जीआईसी के पूर्व छात्र और ग्राम आनंदपुर निवासी डॉ. ध्रुव कुमार पांडेय 10 जून को भूटान की राजधानी थिंपू में आयोजित होने वाली संगोष्ठी में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हो गए हैं।

पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग और डॉ. अकेलाभाई प्रोग्रेसिव फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले डॉ. ध्रुव आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज शांतिपुरी के पुरातन छात्र रहे हैं। वर्तमान में पूर्व माध्यमिक विद्यालय नौली में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। अभी तक वह 25 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुके हैं।

उनके पास 15 वर्ष का अनुसंधान व शिक्षण अनुभव है, और उनके दो पेटेंट भी प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी इस सफलता पर सभी क्षेत्रवासियों ने हर्ष जताया है।

अभियानः विश्व पर्यावरण दिवस पर हल्द्वानी न्यायालय परिसर में जगह-जगह किया पौधरोपण

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शहर में जगह-जगह सफाई अभियान चलाकर पौधरोपण किया गया। इस मौके पर हल्द्वानी न्यायालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ राष्ट्रपति महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व राष्ट्र गान के साथ किया गया।

उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुबीर कुमार के मार्गदर्शन में अपर जिला जज एवं तहसील विधिक सेवा समिति हल्द्वानी के अध्यक्ष कंवर अमरिंदर सिंह की देखरेख में बुधवार को सुबह आठ बजे से पर्यावरण दिवस के मौके पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारी व अधिवक्ताओं ने अभियान में श्रमदान किया। इस मौके पर नगर निगम की टीम ने भी विशेष सहयोग किया। अभियान में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर कुमार पंत, सचिव मोहन सिंह बिष्ट, देवभूमि संस्था के प्रकाश बिष्ट, पीएलवी उमा भंडारी, दिनेश समेत सुनिधि विकास संस्था से जुड़े लोग शामिल थे।

इधर एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व सदस्य पूर्णिमा रजवार के नेतृत्व में संस्था के माध्यम से पृथ्वी को स्वच्छ एवं हरा भरा रखने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर संस्था पदाधिकारियों ने भारतीय सेना के जवानों के साथ मिलकर हल्द्वानी आर्मी कैंट में फलदार छायादार पौधारोपण कर आम जनमानस को पौधारोपण करने एवं वृक्षों का संरक्षण करने के लिए जागरूक किया। इस मौके पर संस्था बलराम हालदार, मीडिया प्रभारी मुकेश सरकार, मार्गदर्शक रोहताश प्रजापति, पूर्णिमा रजवार, मनीष साहू, सूरज मिस्त्री, सुशील राय, दीपक कुमार, सूरज कुम्हार, मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

फिल्मी दुनिया

डिनर डेट पर रेस्तरां स्टाफ के साथ पोज देते दिखे दीपिका-रणवीर

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। सिंतबर महीने में दीपिका-रणवीर के घर किलकारी गूंज सकती है। इन दिनों दीपिका अपने प्रेगनेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। सोशल मीडिया पर दीपिका की कई तस्वीरें छाई हुई हैं, जिनमें वह प्रेगनेंसी के दौरान फैशन गोल सेट करती दिख रही हैं। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह हाल ही में मुंबई के एक रेस्टोरेंट में अपने परिवार के साथ डिनर के लिए पहुंचे, जिसकी तस्वीरें खूब छाई हुई हैं। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की इस दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस तस्वीर में दोनों रेस्टोरेंट में फैंस के साथ तस्वीर लेते दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर बेन्ने कैफे ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा की है। फोटो में रणवीर और दीपिका रेस्टोरेंट के स्टाफ के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। रणवीर सिंह इसमें सेल्फी क्लिक करते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दीपिका और रणवीर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों की ये तस्वीर उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। दीपिका और रणवीर सोमवार रात को डिनर आउटिंग पर गए थे। इस दौरान दीपिका लाल रंग की चेक वाली शर्ट ड्रेस में नजर आईं। उनका ये लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

पहले बच्चे की उम्मीद

इस दौरान रणवीर सफेद शर्ट, नीली जींस और नीली टोपी में नजर आए। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते समय रणवीर ने दीपिका का हाथ थामकर कार की तरफ कदम बढ़ाया। णवीर के पिता जगजीत सिंह भवानी और दीपिका की मां उजाला पादुकोण भी उनके साथ नजर आईं। दीपिका की यह लगातार तीसरी बार डिनर आउटिंग पर थीं। इससे पहले उन्हें अपनी मां और अन्य रिश्तेदारों के साथ रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए देखा गया था। दीपिका और रणवीर इस साल सितंबर में अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। 29 फरवरी को कपल ने घोषणा की थी कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

वन अनुसंधान केन्द्र में जीजीआईसी की छात्राओं ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

वन अनुसंधान केन्द्र हल्द्वानी में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कालेज हल्द्वानी के बच्चों ने पौधारोपण किया, बच्चों को सम्बोधित करते हुए रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने पर्यावरण दिवस के बारे में विस्तार से बताया, बच्चों को अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण कराया, बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भी प्रतिभाग किया,वन अनुसंधान केन्द्र के आरबोरेटम में विलुप्त प्रजाति के पांच पौधों का भी रोपण किया गया,इस अवसर पर सहायक वन वर्धनिक मुकुल कुमार, वन क्षेत्राधिकारी मदन सिंह बिष्ट, अनुसंधान सहायक तनुजा पाण्डे, जीजीआईसी की प्रधानाचार्या मीरा मिश्रा, सहायक अध्यापक छाया पाण्डे, सहायक अध्यापक जया हरबोला , सहायक अध्यापक गरिमा जोशी, सहायक अध्यापक सुनीता जोशी एवं 85 बच्चे उपस्थित थे।

News कॉर्नर

रानीखेत में धधका जंगल, पर्यटक हुए परेशान

अल्मोड़ा। जिले में जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। रानीखेत के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल सनसेट प्वाइंट के पास जंगल में आग लग गई। इससे यहां पहुंचे पर्यटकों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। फायर सर्विस की टीम ने आग पर काबू पाकर पर्यटकों के साथ ही स्थानीय लोगों को राहत पहुंचाई।

रानीखेत में सनसेट प्वाइंट के पास जंगल में बीते सोमवार देर शाम आग लग गई। कुछ देर में ही आग ने तीन हेक्टेयर दायरे को अपनी चपेट में ले लिया। जंगल से उठती आग की लपटें और धुएं से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने पहुंचे पर्यटक परेशान रहे। सूचना के बाद फायर सर्विस की टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया। टीम में मोहन सिंह, राजकुमार, रमेश चंद्र, भास्कर चंद्र, विजय जोशी, अनुज शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं वन क्षेत्राधिकारी तापस मिश्रा ने कहा कि अराजक तत्वों ने जंगल में आग लगाई। इससे वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों को ऐसा करने वालों की जानकारी देनी चाहिए।

शॉर्ट सर्किट से 12 घास के लुट्टे जले

अल्मोड़ा। हवालबाग विकासखंड के ढटवाल गांव में ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग होने से बिजली के तार टूट गए और उनमें शॉर्ट सर्किट हो गया। तारों से छूटी चिंगारी से ग्रामीणों को 12 घास के लुट्टे जल गए। ग्रामीणों की सतर्कता से सिर्फ 10 मीटर दूर स्थित आवासीय भवन सुरक्षित बच गया।

ढटवालगांव में शांति देवी के आवासीय भवन से कुछ दूरी पर स्थापित ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग होने से बिजली के तार टूट गए। तारों के आपस में टकराने से शॉर्ट सर्किट हो गया और इससे निकली चिंगारी से पास में बने घास के लुट्टों में आग लग गई।

उत्तराखंड की सर्वाधिक जीत वाली विधानसभा रुद्रपुर पर जताया आभार

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

जीत का जश्न

● बगवाड़ा मंडी से प्रमाण पत्र लेकर पार्टी कार्यालय पहुंचे, यहां जुलूस बाजार में पहुंचा

लोकसभा चुनाव में आज आये देश के परिणाम जिसमे पुरे देश मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी बार देश में सरकार बनी है, तो वही उत्तराखंड मे पांचों सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने ने विजय हासिल की है।

उत्तराखंड मे सबसे बडी जीत नैनीताल ऊधम सिंह लोकसभा सीट पर अजय भट्ट ने हासिल की उन्होंने रिकॉर्ड 334546 वोट से जीत हासिल की। रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा ने रुद्रपुर की जनता व कार्यकर्ताओ का आभार जताया। उत्तराखंड मे सर्वाधिक जीत के अंतर वाली विधानसभा रुद्रपुर को बनाया, जहाँ से लोकसभा प्रत्याशी अजय भट्ट की जीत का अंतर 64000 रहा। विधायक शिव अरोरा की कार्यकुशलता का लोहा सबने मना है जो उन्होंने अपने जनता के बीच मे मजबूत पकड़ व कार्यकर्ताओ की मेहनत के दम पर अजय भट्ट की जीत मे रुद्रपुर विधानसभा से जीत का अंतर सर्वाधिक मददगार सबित हुआ रुद्रपुर विधानसभा से भी जीत का अंतर उत्तर भारत की शीर्ष मे गिनी जायेगी। विधायक ने जनता जनार्दन का आभार जताया जिन्होंने अजय भट्ट की जीत को इतना विशाल बनाया।

इधर जीत का प्रमाण पत्र लेकर भट्ट पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और आतिशबाजी छोड़ी। गुलाल भी उड़ाया। इस दौरान भट्ट ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ता की है।

जनता इंटर कॉलेज में मनाया पर्यावरण दिवस व विधार्थियों को दिलाई शपथ

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

विश्व पर्यावरण दिवस है पूरा विश्व पर्यावरण दिवस मना रहा है इस अवसर पर जनता बालिका इंटर कॉलेज रुद्रपुर एवं जनता इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय कैंपस में पौधा रोपित कर समाज को हरियाली का संदेश दिया।

इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ. सतीश कुमार ने कहा कि वर्तमान में हमारे पर्यावरण को औद्योगिक विकास और अन्य कारणों से बहुत प्रकार के संकटों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण ही नहीं बल्कि मानव जाति को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है। वृक्ष ही हमें जीवन देते हैं और हमारा जीवन बचाने का दायित्व भी वृक्षों पर ही है। यदि हम पृथ्वी पर जीवन बचाना चाहते हैं तो हमें अधिक से अधिक वृक्ष लागने होंगे। विद्यालय में पहले भी लगभग 1500 पौधे लगाए गए हैं और यह क्षेत्र का सबसे हरा भरा कैंपस है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं को अधिक से अधिक वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर अर्जुन सिंह, अमित कपूर, रंजीत राज, संजीत चक्रवर्ती, देव्रथ वर्मा, अनिल कन्नौजिया, गोविन्द, तजेन्द्र सिंह, अमित, देवेन्द्र पटेल, निधि, वर्षा, माया राज, रेनू, गीता उराव, ज्योति सिंह, कल्पना, हर्षित, सबीना, ममता पाल, महिमाजीत कौर, नीतू चिकारा आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय स्नातकोत्तर महिला वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर नमामि गंगे, एनएसएस, एनसीसी तथा इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 शशि पुरोहित ने महाविद्यालय प्रांगण में नीम के पौंधे लगाए। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में 5 जून को यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1972 में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की थी। इसके बाद एनएसएस प्रभारी डॉ0 ललिता जोशी द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर एनएसएस के तत्वाधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। नमामि गंगे संयोजक डॉ0 रितुराज पंत ने कहा कि नमामि गंगे के अन्तर्गत प्रशिक्षक योगा ज्योति चुफाल द्वारा छात्राओं हेतु योगा शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय जल संरक्षण समिति के संयोजक डॉ0 फकीर सिंह ने इसको आभियान बनाते हुऐ विश्व पटल पर अपनी छाप छोड़ने की बात कही। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो0 ए0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश, यशोधर नाथ, चंद्र शेखर, अतुल आदि उपस्थित रहे।

भारी बहुमत से विजय हासिल होने पर नैनीताल में मनाया जश्न

नैनीताल

हमारे संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट के लोक सभा प्रत्याशी अजय भट्ट को भारी बहुमत से विजय हासिल होने पर नगर मंडल भाजपा द्वारा मंगलवार को श्री राम सेवक सभा परिसर में जमकर आतिशबाजी करने के बाद मिठाई वितरण कर नैनीताल लोकसभा की जनता का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में नैनीताल की विधायक सरिता आर्या ने जनता के द्वारा भारतीय जनता पार्टी को दिए गए समर्थन के लिए जनता का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष आनंद सिंह बिष्ट तथा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष कविता गंगोला ने भी जनता का आभार व्यक्त किया और कार्यकर्ताओं की अपार मेहनत के लिए उनका भी विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में महिला और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष कविता गंगोला के आवास पर मंगलवार को सुबह से ही भारतीय जनता पार्टी के नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट के लोक सभा प्रत्याशी अजय भट्ट की जीत के लिए विशेष रुप से सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिखा गंगोला, प्रबल गंगोला, सरिता गंगोला, लता गंगोला, विमला साह, हेमा साह, मधु साह तथा ममता गंगोला आदि पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। शाम को भट्ट की जीत की खुशी में उत्साहित सभी लोगों ने जीत का जश्न मनाया।

सड़क किनारे खड़े वाहनों से हो रहा यातायात प्रभावित

नैनीताल। नगर में सड़क किनारे पार्क वाहन इन दिनों जाम का कारण बन रहे हैं। तल्लीताल में नैनीताल- हल्द्वानी रोड में जेल गेट से पुराना कूड़ा खड व मल्लीताल में यूनिवर्सिटी गेट से बारापत्थर तक व नैनीताल भवाली रोड में पार्किंग के नाम पर रोजाना सड़क किनारे वाहन पार्क किए जा रहे हैं यही नहीं सड़क किनारे पार्क वाहन यातायात प्रभावित कर रहे हैं। बता दें कि सड़क में जाम लगने व लोगों की शिकायत के बाद भी सड़क किनारे पार्क वाहन नहीं हटाए जा रहे हैं।

अयारपाटा क्षेत्र में बांज व तिलौज के हरे पेड़ काटे

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगर के अयारपाटा क्षेत्र स्थित राधा स्वामी आश्रम परिसर में बांज व तिलौज के हरे पेड़ काट दिये। पूर्व सभासद मनोज साह जगाती को जानकारी मिली तो उसने घटना का विरोध कर वन विभाग को सूचित किया।

सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना कर काटे गए पेड़ो की लकड़ी को कब्जे में ले लिया है। विभाग की ओर से आश्रम संचालक पर कार्रवाई किये जाने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात अयारपाटा स्थित राधा स्वामी आश्रम परिसर में हरे पेड़ कटवा दिये। पेड़ों के काटने की आवाज पड़ोसियों तक पहुंची तो उन्होंने क्षेत्र के पूर्व सभासद मनोज साह जगाती को इसकी सूचना दे दी। सूचना के बाद आश्रम परिसर के बाहर पूर्व सभासद ने पेड़ काटने का विरोध किया तो क्षेत्र में हड़कंप मच गई। उन्होंने कहा कि नैनीताल में जंगल तेजी से कम हो रहा है लेकिन निर्माण कार्य करने के लिए लोग हरे पेड़ों को काटने में नहीं कतरा रहे हैं। सूचना पर मंगलवार को वन विभाग की टीम ने भी मौका मुआयना किया तो टीम को एक बाज व दो तिलौज के पेड़ कटे हुए मिले। मामले में नैनीताल वन प्रभाग के नगर पालिका वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया कि आश्रम में हरे पेड़ काटे गए हैं। संचालन के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल काटी गई लकडी को कब्जे में लिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग की जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग मजहर नईम नवाब ने विकासभवन सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उनके विभाग में संचालित अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं एवं संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को प्रमुख निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में प्रतिभाग न करने वाले वन, पर्यटन, लोनिवि, एमडीडीए, पूर्ति विभागों से नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

उपाध्यक्ष मजहर नईम नवाब ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पंहुचे इसके लिए धरातल पर प्रयास किये जाए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने विभाग में संचालित योजनाओं एवं योजनाओं से लाभान्वितों की सूची आयोग को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अन्तिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पंहुचनाने की दिशा में कार्य करें। विभागों को उनके विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए जनमानस को जगरूक करने को कहा साथ ही इसके लिए ब्लॉक/तहसील स्तर होने वाले कार्यक्रमों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने तथा स्टॉल लगाकर योजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। बैठक में सदस्य उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक, गुलाम मुस्तफा, सीमा जावेद, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, उप नगर आयुक्त नगर निगम गोपालराम बिनवाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकारण विक्रम सिंह, सचिव उत्तराखण्ड अल्संख्यक आयोग जे.एस रावत, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ मीनाक्षी जोशी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी शशिकांत गिरी, व्यैक्तिक अधिकारी अल्पसंख्यक आयोग समा प्रवीन सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।